जेज़स यूथ रजत जयंती सम्मेलन

28 दिसंबर 2010 से 1 जनवरी 2011,

राजगिरी कॉलेज औफ इन्जिनियरिंग एण्ड टेकनोलजी,

काक्कनाड, एर्नाकुलम, केरला।

तैयारी सामग्री

1985 के अंतराष्ट्रीय युव वर्ष के समारोह मे 'जेज़स यूथ 85' नामक युवा सम्मेलन कोचीन मे आयोजित किया गया था और बाद मे यह नाम एक व्यापक और वैविध्य पूर्ण आंदोलन का नाम बन गया। उस घटना वह नाम एवं तेज़ी से बढने वाली यह आंदोलन का रजत जूबिली मना रहे है हम सब।

जब इस आंदोलन के सदस्य दिसंबर 2010 मे होनेवाली सम्मेलन मे आने की तैयारी करते समय उनके लिए सार्थक भागीदारी के संकल्प करते है। यह व्यक्तिगत तौर पर और सेल ग्रूप एवं प्रार्थना सभाओ मे पढ़े और चर्चा करें। इस आगमन काल मे यह लेख को पढ़ना एवं साथ जुडे हुए वचनो पर मनन करना और निरंतर प्रार्थना एवं माध्यस्थता हमारे सम्मेलन मे भागीदारी को एक तीर्थयात्रा और कृपा की रूप मे परिवर्तित करेंगे।

जैसे जैसे जुबिली की कृपाऐं बह निकले

जैसे जैसे जुबिली की कृपाऐं बह निकलती हैं और इस पर विचार करें कि किस तरह से प्रभु ने हम में से हर एक के जीवन में और जीसस यूथ में और जीसस यूथ के द्वारा इतने लम्बे सफर में क्या क्या किया है, तो हमारे ह्रदय प्रभु कि ओर धन्यवाद और स्तुति से भर जाते हैं। ''प्रभु ने हमारे लिए बहुत बड़े काम किए हैं और हम खुशी से भर गए हैं'' (स्तोत्र ग्रन्थ 126:3)। यह हमारे लिए एक और अवसर बन जाता है जिसमें हम स्तुति की भावनाओं को दोबारा से अनुभव करें जो इस आंदोलन की मूल शक्ति है। माता मरियम के साथ हम आनंदित होकर गाऐं ''उस शक्तिमान ने मेरे लिए बड़े बड़े काम किए हैं और उसका नाम पवित्र है'' (लूका 1:49)।

1. जुबिली कल आज और कल के बारे में है।

आंदोलन का जुबिली हम में से हर एक के लिए वो एतिहासिक क्षण है जब हम एक कृतज्ञ मन से उस प्रभु की ओर जाए, वो प्रभु जो सही समय पर छोटे कार्य करता है। आंदोलन में हम शुरूआत के दिनों के प्रभु के उस वायदे के बारे में बात करते हैं, कि वो अपनी भेड़ों को कदम कदम पे और हरी और बड़ी चराइयों की ओर ले जाएगा। और हम इतिहास में मुड़कर देखें और विचार करें की किस तरह प्रभु ने हमें एक गहराई से दूसरे गहराई की ओर ले आए यहाँ के इस कृपा के क्षण तक और 'ऊपर के शक्ति से' (लूका 24:49) भरकर और भी शक्ति के साथ प्रभु के बागीचे में मेहनत करने और फसल काटने के लिए भेजा। इस बड़े जुबिली के अंत में हमारे दिल संत पापा **जॉन पॉल** द्वितीय के शब्दों से गूँज उठते हैं जो हमारे इस आंदोलन का मूल प्रेरणा है, कि यह एक अवसर बन जाता है कि ''हम अपने वर्तमान को उत्सुक्ता से जीने के लिए और अपना भविष्य आत्मविश्वास से देखने के लिए, हम अपना अतीत कृतज्ञता से याद करें।'' (**लेवी** 25)

पुराने नियम में जुबिली का कमान्ड एक व्यक्ति को इस बड़े समूह में एक लम्बे समय के लिए अपनी व्यक्तिगत आध्यत्मिकता को जड़ से मज़बूत बनाकर उसे तनावमुक्त करके एक आत्मकेन्द्रित मज़हब बना देती है। उसके अनेक विस्तारों में, अतीत को सुधारना जुबिली का एक मूलतत्व है। खासकर हमारे लिए इसका मतलब हो सकता है की हम अपने शब्दों और कर्मों का कर्ज़ चुकाना और दूसरों को क्षमा करना। येशु के अपनी प्रार्थना, जीवन, कर्मों और शिक्षा में क्षमा को रेखांकित करना हमारे जीवन की राह दिखाने वाली रोशनी बननी चाहिए। यह याद रखना बहुत ज़रूरी है की हम एक **ईसाई** जीवनचर्या और मिश्नरी गतिविज्ञान बनाए जो पूरी तरह से दूसरों को चोट पहुँचाने और भिर माफ करने की ज़रूरत से हटकर हो, जिसका परिणाम एक बड़ी गुणकारी **समूहों और** मिनिस्टरी हो जो प्रेम और पवित्रता से भरपूर है।

> *जुबिली स्तुति का समय है, अपने आशीर्वादों को गिनने का समय है: प्रभु ने मुझे **कितने आशीर्वाद दिया है** ? इस आंदोलन का जुबिली मुझे यह जाँचने में मदद करता है : प्रभु के पहले कदम से मैं कितना इमानदार हूँ ? और कदम कदम पर रास्ता दिखाए जाने पर भी क्या मैं सारे रास्ते उनके साथ चला हूँ ? और जब प्रभु मुझे ''जाओ'' बोलेंगे, तो क्या मैं खुशी खुशी जाऊँगा ? और वो कौन कौन से क्षेत्र और रिश्ते हैं जहाँ मेरी तरफ से सुधार और क्षमा की ज़रूरत है ?*

2. जुबिली मेरे घर को सही ढ़ंग से रखने को कहती है।

यह ज़रूर ही एक स्वीकृत समय है, हमारे लिए एक विशेष कृपा का समय। सुसमाचार उन घटनाओं से भरपूर है जहाँ येशु पास से गुज़रते समय लोग अपना जीवन खोलके रखते थे या उनको बुलाते थे। आंदोलन का यह मील का पत्थर हमारे लिए भी रूपांतरण का वो क्षण बन सकता है जहाँ हम सब प्रभु की ओर एक सार्थक तरीके से मुड़े। यह ज़रूर ही मेरे जीवन का एक खास हिस्सा है जो मुझे खोलना है और वहाँ प्रभू जुबिली का अपना एक खास कृपा मुझ पर बहाने के लिए खड़ा है।

जीज़स यूथ हम में से ज़्यादातर लोगों के लिए एक चुनौती है जो आत्मा में एक गहरी राह पर चलाती है जिसका परिणाम है प्रभु के साथ एक निजी सामना। वह शुरूआत मुझे एक नए धरती और अम्बर की ओर ले गई, जीने की एक नई खुशी और जीवन में एक नए उद्देश्य के लिए जिसके लिए हम जिऐं और अपना जीवन जोख़िम में भी डाल सकते हैं। शायद मैंने उस प्यार को छोड़ दिया हो जो मुझे पहले था (प्रकाशन 2:4)। मेरे निजी मुलाकते को ताज़ा करने और **राहत देने** और **पुराने प्रकृति** को छाड़ने का यह समय है, खासकर अपने पुराने स्वाभाव जो मेरे पुराने जीवन के वो आदतें, और बल्कि आत्मा में दुबारा शुरूआत करने की (एफेसि 4:22.23)। जब मैंने वो सब दे दिया जो मेरा था, तो प्रभु ने अपनी सम्पत्ती से मेरे खालीपन को भर दिया। आत्मा में मेरी यात्रा आत्मा के उन वरदानों से भरपूर थी जिनसे मैं प्रभु का एक खुश और फलदायी संतान बना। मेरे जीवन में आत्मा के वो धन जो कमी पाए गए थे और आज खो गए हैं उनको नवनीकरण करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

उनके साथ रोज़ चलना और धीरे धीरे पूरे दिल, आत्मा और शक्ति से उनको प्रेम करने में बढ़ना ही एक सक्रिय इसाई के जीवन का खुशमय उदेश्य है। एक व्यक्ति जिसने आत्मा में नए जीवन की खोज की हो, उसके लिए यह आंदोलन शिष्यत्व का संवर्धन स्थान बन जाता है जो पवित्रता का मार्ग दिखाता है। यह कुछ ऐसे बुनियादों के बारे में बताती है जो प्रभु के साथ और एक दूसरे के साथ चलने में हमारी मदद करती है। वैसे तो जुबिली हमें हमारे मौलिक हिस्से में वापिस बुलाती है (लेवि 25:10,13), मगर यही वक्त है कि हम अपने आध्यात्मिक बुनियाद को पुनर्निर्मित करें। अपने स्वर्गीय पिता के तरह परिपूर्ण होने के लिए (मति 5:48) और ख्रीस्त की पूर्णता के महिमा में बढ़ने के लिए (एफेसि 4:13) प्रभु के चरणों में रोज़ बैठने की, उनके वचनों को मेहनत से खोजने की और आत्मा का संघ हमेशा होने आग्रह बहुत ज़रूरी है।

*अपने जीवन के 'पहले प्यार' को **फिर से अनुभव** करने का यही तरीका है कि, वो महत्वपूर्ण यात्रा जो 'प्रभु की ओर' हमारी थी जिसने हमारी ज़िन्दगी बदल दी, हम वो यात्रा फिर से चलें। याद करें की मैंने क्या दे दिया और प्रभु ने किस प्रकार मुझे विशेष रूप से प्रेम किया और अपना आशीर्वाद दिया। क्या मैं आत्मा द्वारा दिए गए वरदानों और खूबियों से ईमानदार हूँ और क्या मैंने उन्हें बढ़ाने की कोशिश की है। यह मेरी उन छह बुनियादों की ओर ईमानदारी को जाँचने और ठीक करने का समय है।*

3. जुबिली नवीनीकृत आत्मा के समूह के लिए है।

यही समय है, **लेवी की पुस्तक के अनुसा**र जब हम सब अपने परिवारों में लौटते हैं (25:10)। ख्रीस्त में अपनी दोस्ती का पालना, प्रार्थना के घरों में एकजुट होना और सेलों के समूह में बैठना, इस आंदोलन के सामान्य जीवन को दर्शाते हैं। अपने खुशमय अनुभव से बढ़कर प्रभु के राज्य के लिए एक जोशभरे ज़िम्मेदारी की ओर बढ़ना ही शिष्यत्व की पहचान है, और जुबिली वो समय है जब मैं अपने भाईचारे को बढ़ा सकूँ। अपने कर्तव्य, विश्राम और रिश्ते जिस तरह से माँग करते हैं हम एक दूसरे के समय और ध्यान के लिए झगड़ा करते हैं, अपने आत्मीय जीवन और मिशन के लिए जो मूल ज़रूरत है उसको ना भूले उसके लिए संत पापा **जॉन पॉल** द्वितीय के ये शब्द हमारे संकेत शब्द हो, ''गिरिजा को अपने समूह का घर और स्कूल बनाऐं, यही इस शताब्दी की बड़ी चुनौती है जो अभी शुरू होने जा रही है, अगर हम प्रभु की योजनाओं से ईमानदार होना चाहते हैं और इस दुनिया की सबसे गहरी **इच्छा** को जवाब देना चाहते हैं।''

जीज़स यूथ संघ में मेरी सहयोगिता शुरू होती है मेरे अपने व्यक्तिगत फैसले से हर छोटी से छोटी **कार्यों** को ध्यान करने के लिएउस समूह से मेरे वायदे से। एक अधिकारी के नीचे होने (लूका 7:8) का एक सही कैथोलिक भाव और ना सिर्फ अपनी मर्जी और चाहतों का अनुकरण

करना ही संग में एक ठोस ज़िम्मेदारी है। एक समूह को बढ़ाना ही ख्रिस्तीय जीवनचर्या का व्यवहार है, समर्पित रिश्ते और एक विपरीत संस्कृती, धर्मपूर्वक और ईमानदारी से ज़िन्दगी के छोटे छोटे चीज़ों को ध्यान देना (लूका 16:10)। जुबिली एक दूसरा बुलावा होना चाहिए मेरे लिए, और इस पूरे आंदोलन के लिए, ज़िसे हर छोटी से छोटी **कार्यों** को ध्यान करते हुए ख्रीस्त के बड़े सपने को पूरा करने के लिए ''शताब्दी चुनाव'' की ओर हमारे मन ठोस बन जाए।

अनुभवी और ज़िम्मेदार इसाईयों के संग **बेहतर** *समय बिताने और उनसे जीवन का मार्गदर्शक पाना ही फलदायी और खुशमय जीवन का प्राणाधार है। मैं इसको कैसे पक्का करूँ? क्या मैंने फिर से क्रिस्तीय दोस्ती का समूह पा लिया है जिसका मैं हिस्सा हूँ? समय के* **अनुसार सोच** *और ज़िम्मेदारी किस प्रकार मेरे जीवन में केन्द्रित है?*

4. जूबिली मसीह के शरीर के प्रति निष्ठा का जीवन के लिए है

एक नन्ही किरण की तरह पल्ली समुदाए को रोशन करते हुए जीजस यूथ फलदाई और गुण कारी रही है। जीजस यूथ का हरदम यही प्रयत्न रहा है कि यह पल्ली की सेवा मे रहकर , नई पीड़ी को एक सक्रिय जीवन जीने मे योगदान रहे। एक सक्रिय जीजस यूथ वही कहलाता है जो एक उत्साहिक सांस्कारिक जीवन और अपने स्थानीय पल्ली समुदाए मे सजीव रहकर पुरोहिताई सम्बंधी कार्यो मे योगदान दे ।

जयंति सारोह जो पूरे देश की स्वाधीन्ता की घोषणा करती है (लेवि 25:10) ,एक ऐसा समय होना चाहिए जहाँ हम आत्मा के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ाए और क्रीस्तीय शरीर मे अपना जीवन व्यतीत करें।

इस आंदोलन के द्वारा हमारे कई साथियों ने अपना लक्ष्य पाया और प्रेरितजन बने और इनमे से कई दुनिया के कोनो में जाकर हमारे सर्व्यापी पिता के निर्देश का पालन किया है (मत्ति 28:19)

जयंती कलेसिया **के साथ सोचने के लिए** कलेसिया **के निर्माण करने प्रत्येक के लिए और आंदोलन के लिए प्रभु के एक आमंत्रण होना चाहिए |**

> ***मैं अपने सांस्कारिक जीवन कैसे जीता हूँ? क्या मैं सक्रिय रूप से मेरी पारिश जीवन में और व्यापक कलेसिया के जीवन में योगदान देता हूँ? क्या मैं चर्च और उसकी शिक्षाओं के बारे में जानने के लिए और उसे प्यार करने का समय लेता हूँ? मैं अपने क्षेत्र में एक यूथ मिनिस्टरी का निर्माण कैसे कर सकता हूँ जो सक्रिय रूप से चर्च के जीवन में भाग लेनेवाला हो ?***

5. जूबिली हमे मसीह की आग मे प्रज्वलित करेगी

जूबिली हममे से प्रत्ये के लिए पवित्र आत्मा (लूक 4:18) के अभिषेक से एक नवीन सुसमाचार की घोषणा का और सब के साथ स्वतंत्रता बॉटने का समय है (लेवि 25:10,54), अथवा ये समय है जीजस यूथ आंदोलन के मिशरी प्रतिबद्धता के नवनीकरण के बीते सालो मे जीजस यूथ को एक विशेष शैली मे और सुसमाचार बॉटने मे और एक इसाई संस्किृति के निम्राण केलिए धीरे धीरे तैयारी करते आए हैं।

जीवन के विभिन्न क्षेत्रो से और विभिन्न जीवन शैली जीने वाले युवको ने इस आंदोलन मे गहरी दिलचस्पी पैदा की है जिससे येसु और उनका संदेश उन तक पहुॅच सके। विभिन्न श्रेणियो के युवा, व्यवसाओ, मीडिया, प्रवास और अन्य कई मुद्धो को आंदोलन मे एक मिशनरी

ध्यान दिया है। लोगो तक पहुॅचने के उदेश्य से आध्यात्मिक चुनौती प्रदान करने के लिए प्रेरण दायक विभिन्न प्रशिक्षण एवं गठन हमारे **आंदोलन में विकसित** हुए **है** ।

हम मे से हर एक प्रभु, कलेसिया एंव जीजस यूथ **साहचर्य** से बहुत कुछ प्राप्त किया है लेकिन हमने कितना वापिस दिया है? यह एक नए शुरुवात का एवं जिसे हमने आरंभ किया हे, उससे क्या सीखने का संकल्प है?

अपनी समय, प्रतिभा एवं संसाधनों सें स्वर्गराज्य के लिए समर्पित उत्साही मिशनरी लोग इस आंदोलन मे बहुत है। आधूनिक जीवन और तरक्की ने हमे अनेक सुविधाये और उपयुक्ता प्रदान की है। यह सही समय है हमे जांच करने का कि क्या यह सब ईश्वर के राज्य की घोषण के लिऐ हमारे उत्साह को बढाया है कि नही।

गरीबो को सुसमाचार सुनाने के लिए जयंती हमे निमंत्रण देती है। गरीबो और पीढितो के करीबी हमारे ईसाई प्रतिबद्धता की असलीयत और संकेत है। क्या इस आंदोलन के साथ चलने से मेरा निष्टा उन लोगो के साथ बटा है जो लोग प्रभु के करीब है और प्रिय है?

> कितना समय प्रभु के कार्य के लिए अलग किया है? मेरा जीवन और परिस्थिति बदल चुका है, लेकिन क्या इसने मेरे क्रिस्तीय मिशन को बढावा दिया या दबा दिया है? जि***से मैं शुरू*** किया उ***से जारी जारी रखने में मैं कैसे वफादार*** रहता हूँ? जरूरतमंद और गरीबो के लिए मै क्या कर सकता हूँ? मेरे जीवन मे विशेषकर मेरे मिशन प्रतिबद्धता मे जयंती क्या बदलाव ला सकता है?

6. जयंती हम एक साथ मनाएँगे।

पिछले एक साल से जीजस यूथ जयंती की ओर बढ रही है और इन तैयारियो के समापन चरणो मे जयंती महासम्मेलन के साथ प्रवेश कर रहे है। इस सम्मेलन मे सार्थिक रीती से कैसे भाग लिया जाए? एक आम कार्यक्रम मे भाग लेने से बढकर एक सही तैयारी के साथ हम इस सम्मेलन मे कैसे भाग ले सकेंगे जिसका प्रभु का इन्तज़ार है। यह न भूलो कि प्रभु के साथ कोई महत्वपूर्ण कार्य होने से पूर्व कई क्रूस एवं दुख का अनुभव होता है, इसलिए अगर इन तैयारियो के दिनो मे और जूबिली के समय मे भी अगर मुझे मृत्यु की ज्वाला की घाटी (स्त्रोत्र 23:4) से गुज़रना पड़ा तो भी प्रभु द्वारा उत्पन्न होने वाला एक नया शृष्टि का आशा मुझे प्रोत्साहन देता है।

मेरे व्यक्तिगत लाभ से बढकर पवित्रात्मा मे एक नया बपतिस्मा ग्रहण करने हेतु खोजने और माँगने के लिए मै तैयार हूँ। आप कोई भी जीजस यूथ कार्यक्रम मे पाने के लिए नही बलकी देने के लिए आए, और **महान वक्ताओं** को सुनने नही बलकी एक शानदार समुदाय का बनावट का एक महीमामय दृश्य मे शामिल होने आए आप जब जूबिली समारोह मे आते है तब आत्मा मे लीन प्रार्थनाओ को चाहे जहाँ प्रभु आपसे बात करने का तीव्र क्षणो के लिए, वासस्तविक और क्रियाशील जीजस यूथ मिशनरी लोगो से मिलने केलिए और कलीसिया के सुन्दरता को महसूस करने आए। आप ज़रूर एक अलग जीजस यूथ आन्दोलन देखेंगे, आनेवाले दिनो मे जीजस यूथ क्या होगा इसकी आप कल्पना करें और सबसे बढकर अपना बुलावा पहचानेगे और एक मिशनरी उत्साह आपमे बढेगा। इन दिनो मे मैं अपने आप मे क्या बदलाव चाहता हूँ? जूबली मे सज्जीव भागीदार बनने के लिए मुझे क्या **तैयारी** करना होगा? जूबली के लिए जूबली के पहले, सम्मेलन के दौरान एवं उसके बाद मेरा योगदान क्या होगा?

हम खुशी से दुनिया में आगे बढें।

हम जयंती के उच्च स्थान मे पहुँच रहें है। पूरा आंदोलन एवं जो कोई इसका विरासत मे हिस्सेदार है उन सब के ऊपर ईश्वर की कृपा बरसते हुए हम अनुभव करते है। जूबिली

सम्मेलन में एकत्रित होने वाले सबों के लिए सत पापा ने विशेष आशीर्वाद प्रदान किया है। कई विशेष लोगों के आशीर्वाद और बिशप लोग और बड़ों की संगती, इस संगत को एक आध्यात्मिक आशीर्वाद का एक अविस्मरणीय अवसर बनाता है। "हम धन्यवाद के साथ प्रभु के प्रांगणों मे प्रवेश करेंगे" और अपने मिशनरी उत्साह के ज्वाला को प्रज्वलित करेंगे। प्रभु का शक्तिशाली उपस्थिती हम पर सदा रहेगा और हमरे दोस्तों और सहजनों के सान्निध्य हमारे अंदर की ज्वाला को प्रज्वलित करने में मदद करेगा।

जब बेतलेहेम की अपनी शान्ति और आनन्द के साथ हमारे दिल और घरों में जब भर जाता हैं तब हम पवित्र आत्मा में परिष्कृत, नवीन और उज्जवल बनकर विशाल जनसमुदाए का आवाज़ सुनेंगे।

हम वहाँ पर मिलते है!

28 दिसम्बर 2010 से 1 जनवरी 2011 तक कोच्ची में होनेवाले जूबिली समारोह में भाग लेनेवाले सभों के लिए संत पापा ने विशेष दण्डन्यूनीकरण दी है इसे हम कैसे प्राप्त करेंगे? किसी दण्डन्यूनीकरण को प्राप्त करने के लिए उस काम को करना चाहिए जिस काम के लिए यह दण्डन्यूनीकरण संल्न है। हमें निम्लिखित तीन कार्यो को पूरा करना है:– सांस्कारिक पाप स्वीकार, परम प्रसाद ग्रहण, और संत पापा के नियोगों के लिए प्रार्थना। इसके अलावा हर पाप के संबंधों से मुक्त हो। इसका मतलब यह कि प्रत्येक व्यक्ति पापस्वीकार करके तैयारी के साथ सम्मेलन मे भाग लें।

Prepared by Dr. Edward Edezhath on behalf of the Jesus Youth International Team

Jesus Youth International Office, 6 F Thadikaran Centre, Palarivattom P.O, Cochin-682 025, Kerala, INDIA,

Ph: +91 484-4054870 / 4054371, Fax: +91-484-4054870, Email: jyglobal@jesusyouth.org, Website: www.jesusyouth.org